Hindi Murli Quiz 29-11-2015

.

Q.1) **Q. विश्व में सबसे हाइएस्ट ऊंचे ते ऊंचे श्रेष्ठ आत्मायें हम बच्चों के सिवाए और कोई नही है, क्योंकि----**
[कृपया आज की मुरली के अनुसार चयन / टिक करें]

A. ☑ हम सभी ऊंचे ते ऊंचे बाप के बच्चे हैं।
B. ☑ .सारे कल्प में राज्य अधिकारी स्वरूप में भी हमसे ऊंचे कोई राज्य अधिकारी नही बने हैं।
C. ☑ जितनी पूजा विधिपूर्वक हम आत्माओं की होती है उससे ज्यादा और किसी की नही होती।
D. ☑ राज्य के हिसाब से भी सारे कल्प में निर्विघ्न, अखण्ड-अटल राज्य हम आत्माओं का ही चलता है।
E. ☑ राजे तो बहुत बनते हैं लेकिन हम विश्वराजन वा विश्वराजन की रॉयल फैमिली सबसे श्रेष्ठ है।
F. ☑ अब संगम पर परमात्म वर्सा, परमात्म मिलन,परमात्म प्यार के अधिकारी,परमात्म परिवार की आत्मायें और कोई नही बनती हैं।

Q.2) **Q. "कभी सोचते हो ना कि--पता नहीं विनाश कब होगा? क्या होगा? हम कहाँ होंगे? साकार में कहानी सुनाई है कि बिल्ली के पूंगरे भट्ठी में होते हुए भी सब सेफ रहे। तो आप परमात्म बच्चे जो साथ होंगे वह सेफ रहेंगे। अगर और कहाँ बुद्धि होगी तो कुछ न कुछ सेक लगेगा, कुछ न कुछ प्रभाव होगा। जब भी कामकाज या सेवा में हजार भुजा वाले के बजाये दो भुजा वालों को अपना साथी बनाते हो तो थक जाते हो। इसलिए बापदादा का साथ नहीं छोड़ो।"**

A. ◉ सही
B. ○ गलत

Q.3) **Q. सभी रिक्त स्थानों को शब्दों से सही-सही मैच करके भरें ------**

	Choice	Match
A	बाप आपको सदा साथ देने के लिए आये हैं, ------------छोड़कर।	परमधाम।
B	ब्रह्मा बाप भी आप सबको सहयोग देने के लिए अव्यक्त बनें,अपना ------चेंज कर दिया।	वतन।
C	शिव बाप और ब्रह्मा बाप दोनों हर समय आप सबको सहयोग देने के लिए सदा------- हैं, तो साथ नही छोड़ो।	हाजर।
D	अगर सिर्फ सेवा,सेवा ही याद है, बाप को किनारे कर देते हो,तो बाप भी ----होकर देखते हैं।	साक्षी।
E	अपने अधिकार और प्रेम की -------से बांधकर रखो। ढीला नही छोड़ना।	सूक्ष्म रस्सी।

Q.4) **Q. सही वाक्यों का ही चयन / टिक करें--------**

A. ☑ बुद्धि बिजी रहते हुए भी संगमयुग के सुख और सुहेजों को इमर्ज रखो।
B. ☑ बच्चों को बाप याद रहता है लेकिन इमर्ज रूप में रहना चाहिये।
C. ☑ बाप को इमर्ज रूप में याद रखने का नशा, शक्ति, सहयोग, सफलता बहुत बड़ी है।
D. ☑ कभी विघ्न-वश बाप भूल भी जाता है लेकिन जब नेचरल रूप में रहते हो तो भूलता तो नहीं है लेकिन मर्ज रहता है।
E. ☑ बार-बार चेक करो कि साथ का अनुभव मर्ज रूप में है या इमर्ज रूप में।

Q.5) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ------**
"चाहे डबल फारेनर्स हों, चाहे भारतवासी, सबको यह बाप का -------सरकमस्टांश की दीवार पार करा देता है।"

- प्यार
- पयार
- पियार
- pyar
- piyaar

Q.6) **Q. सही वाक्यों को ही चयन / टिक करें ----------**

- **A.** ☑ द्वापर से किसी भी धर्मात्मा या महात्मा ने अपने सर्व फालोअर्स को होलीएस्ट नहीं बनाया है। हाँ स्वयं बनते हैं।
- **B.** ☑ यहाँ पवित्रता ब्राह्मण जीवन का मुख्य आधार है, आपका स्लोगन भी है ``पवित्र बनो-योगी बनो''।
- **C.** ☑ अगर मन्सा में अंशमात्र भी अपवित्रता अर्थात् वेस्ट,निगेटिव,परचिंतन के संकल्प हैं तो पवित्र बाप की यथार्थ याद नहीं आ सकती।
- **D.** ☑ पहले बाप सिर्फ कर्म में पवित्रता पर जोर देते थे लेकिन अभी मन्सा, वाचा,कर्मणा,सम्बन्ध-सम्पर्क सबमें पवित्रता आवश्यक है।
- **E.** ☑ आन्तरिक वर्सा अर्थात सदा सुख-स्वरूप, शान्त-स्वरूप, मन की सन्तुष्टता का अनुभव करने के लिए मन्सा की पवित्रता चाहिए।

Q.7) **Q. "यदि सेवा युक्तियुक्त नहीं है, मिक्स है, दिल के आधार पर नहीं लेकिन दिमाग के आधार पर सेवा हैं तो सेवा का प्रत्यक्ष फल तो मिलता है; लेकिन वह मन की सन्तुष्टता सदाकाल नहीं रहती और वह जमा नहीं होता। कमाया, खाया और खत्म। जमा करने की विधि है - मन्सा-वाचा-कर्मणा पवित्रता। सेवा में भी फाउन्डेशन पवित्रता है-- भाव में भी पवित्रता, भावना में भी पवित्रता।"**

- **A.** ◉ सही
- **B.** ○ गलत

Q.8) **Q. "होली का अर्थ ही है - पवित्रता। अपवित्रता को जलाना। इसीलिए पहले जलाते हैं फिर मनाते हैं और फिर पवित्र बन संस्कार मिलन मनाते हैं। तो होली का अर्थ ही है ------------------ ।"**

निम्नलिखित जोड़े विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त जोड़े से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें।

- **A.** ○ मनाना-जलाना,
- **B.** ◉ जलाना- मनाना,
- **C.** ○ गले मिलना- डांस करना,
- **D.** ○ डांस करना- गुलाबजल डालना,

Q.9) **Q. बापदादा हर बच्चे के मस्तक में सम्पूर्ण पवित्रता की चमकती हुई मणी सदा देखने चाहते हैं। उसके लिए होना चाहिए ------ [सही मैच करके रिक्त स्थान भरें]**

	Choice	Match
A	बच्चों के नयनों में ---------------------।	पवित्रता की झलक हो।
B	बच्चों के बोल में ----------------------।	मधुरता, विशेषता, अमूल्य बोल हों।
C	बच्चों के कर्म में ----------------------।	सन्तुष्टता, निर्माणता हो।
D	बच्चों की भावना में -----------------।	शुभ भावना हो।
E	बच्चों के भाव में सदा ---------------।	आत्मिक भाव हो।
F	बच्चों के मस्तक से -------------------।	लाइट का, फरिश्ते पन का ताज दिखाई दे।

Q.10) **Q. "अभी तक प्रकृति द्वारा बनी हुई परिस्थितियां अवस्था को अपनी तरफ कुछ-न-कुछ आकार्षित करती हैं। सबसे ज्यादा अपनी देह के हिसाब-किताब, रहे हुए कर्मभोग के रूप में आने वाली परिस्थिति अपने तरफ आकर्षित करती है। जब यह भी आकर्षण समाप्त हो जाए तब कहेंगे सम्पूर्ण नष्टोमोहा। कोई भी देह की वा देह के दुनिया की परिस्थिति स्थिति को हिला नहीं सके-यही सम्पूर्ण स्टेज है।"**

- **A.** ◉ सही
- **B.** ○ गलत